Edit with WPS Office

प्रश्न:-आदिकाल की परिस्थितियों का वर्णन करें।

उत्तर : आदिकाल हिंदी साहित्य का प्रारंभिक काल रहा है ।अलग- अलग विद्वानों द्वारा इसे अलग अलग नाम से अभिहित किया गया है। आचार्य रामचंद्र शुक्ल इसे वीरगाथा काल की संज्ञा दी ।उन्होंने इसकी समय- सीमा संवत 1050 से 1375 तक माना है। इसी समय -सीमा के अंतर्गत निम्नलिखित साहित्य का सृजन हुआ। आदिकालीन साहित्य के विशाल प्रसाद का निर्माण उसकी तात्कालिक परिस्थितियों के प्रभाव से हुआ । इस दृष्टि से देखा जाए तो आदिकाल की प्रमुख परिस्थितियां निम्नलिखित रुप से दृष्टिगत होती है :-

Edit with WPS Office

1◆ राजनीतिक परिस्थिति : आदि काल की राजनीतिक राजनीतिक परिस्थिति हिंदू राजाओं के उत्थान पतन तथा इस्लाम के प्रवेश के आसपास है दी है तत्कालीन राजनीतिक आपसी संघर्ष की रही केंद्र शक्ति के अभाव में छोटे-छोटे राज्य आपस में संघर्ष कर रहे थे । इन्हीं आपसी संघर्षपूर्ण स्थितियों के परिणाम स्वरूप इस्लाम का भारत में प्रवेश होता है और एक राजनीतिक सत्ता के रूप में उनका उत्थान भी प्रारंभ हो जाता है।ऐसी परिस्थितियों में राज्याश्रित कवि युद्ध में उन्माद जगाने के लिए राजाओं की झूठी प्रशंसा किया करते थे। इन कवियों को ही 'भाट 'कहा गया। इस प्रकार उस समय देश की राजनीतिक परिस्थिति अत्यंत भयावह अशांतऔर संघर्षमय थी ।जनता में राजनीतिक चेतना का अभाव था। ऐसे विषाक्त राजनीतिक वातावरण में आदिकालीन साहित्य लिखा गया।

Edit with WPS Office

2◆ सामाजिक परिस्थिति :

आदिकालीन समाज मुख्य रूप से दो भागों में बटा हुआ था। एक वर्ग सामंत ,राजा और सरदारों का था जबकि दूसरा वर्ग दास -दासी और अन्य निम्न वर्गों का था ।समाज में जाति प्रथा ,सामंती प्रथा, सतीत्व, टोना -टोटका ,तंत्र मंत्र आदि प्रथाएं जोर- शोर से चल रही थी। भारतीय समाज में वर्ण अनुसार जाति व्यवस्था प्रचलित थी। युद्ध करना क्षत्रियों का कर्म माना जाता था। समाज में केवल युद्ध का ही महत्व रह गया था। कवियों द्वारा राजाओं को युद्ध के लिए प्रेरित किया जाता था। निम्न वर्ग या सामान्य जनता का वर्ग इन सब से दूर था। उन्हें युद्ध से कोई सरोकार नहीं था। अतः उनके मनोबल में भी कमी थी।

Edit with WPS Office

3◆ धार्मिक परिस्थिति :-

आदिकालीन समाज में हिंदू धर्म के अतिरिक्त बौद्ध और जैन धर्म भी विद्यमान थे ।सभी धर्म धीरे-धीरे अपने वास्तविक आदर्श से पीछे हट गए थे ।धार्मिक आडम्बरों का बोलबाला हो गया था ।बौद्ध धर्म में मांस -मदिरा, नारी सेवन की प्रवृत्ति बढ़ गई थी ,जो सिद्ध के रूप में विकसित हुए।जैन धर्म दो हिस्सों में बांट चुका था ।हिंदू धर्म में कर्मकांड को बढ़ावा मिलने लगा था। सभी धर्म आपस में संघर्षरत थे। ऐसी परिस्थिति में इस्लाम धर्म का भारत में प्रवेश होता है ।इन सभी धर्मों का प्रभाव साहित्य पर पड़ता है।

Edit with WPS Office

4◆ साहित्यिक परिस्थिति :

आदिकालीन साहित्य मुख्यतः संघर्षरत परिस्थितियों का साहित्य रहा है ।जिसमें सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक उथल-पुथल का प्रतिबिंब दिखता है। इसका साहित्य मुख्यतः राज्याश्रित तथा धार्मिक ही रहा है ।संस्कृत से विकसित अपभ्रंश तथा डिंगल- पिंगल इस काल की भाषा रही है ।धार्मिक साहित्य मुख्यता प्रचारार्थ ही लिखे गए थे, जबकि चारण कवि द्वारा रचित साहित्य ऐतिहासिकता के अभाव में केवल प्रशस्ति ही प्रतीत होते हैं ।साहित्यिक स्तर की दृष्टि से ये सभी उच्च कोटि के साहित्य की श्रेणी में नहीं आते।साथ ही ये अप्रामाणिक भी माने जाते हैं।